न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) एवं सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) भीलवाड़ा

प्रकरण संख्या – 329/2018

किस्म मुकदमा – प्रतिकर निर्धारण

उनवान

1.	परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भीलवाड़ा	बनाम	1.	अजय इण्डिया लि0 गुवारड़ी, चितोड़ रोड़, भीलवाड़ा
	––प्रार्थी			––विपक्षी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79 के छ::लेन निर्माण/चौडाकरण हेतु अवार्ड़ अन्तर्गत धारा 3G राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 एवं Section 24 of RFCTLARR Act, 2013 to Acquisition Under NH Act, 1956 के अन्तर्गत प्रतिकर निर्धारण

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम, जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
15.04.2019	:: **आदेश** :: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79 के छः लेन निर्माण/चौड़ाकरण के लिए अतिरिक्त भूमि अवाप्ति हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 की धारा **3 A (1)** के अन्तर्गत अधिसूचना **दिनांक 31/01/2018** -को प्रकाशित की गयीं, जिसका प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्रो में **दिनांक 24/02/2018** को किया गया। इसके उपरान्त विहित अधिनियम की धारा **3 D (1)** के अन्तर्गत अधिसूचना **दिनांक 14/08/2018** को प्रकाशित की गयीं, जिसका प्रकाशन दो स्थानीय समाचार पत्रो में **दिनांक 15/09/2018** को किया गया। सूचना प्रकाशन होने के उपरान्त विहित अधिनियम की धारा **3 D (2)** के अनुसार अवाप्ताधीन भूमि समस्त भारो से मुक्त होकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भारत सरकार में निहित हो चुकी है। परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भीलवाड़ा ने पंत्राकः 4925 दिनांक 27/11/2018 के क्रम में विहित अधिनियम के तहत धारा **3D** में अधिसूचित अवाप्ताधीन भूमि का प्रतिकर निर्धारण किया जाना हैं। परियोजना निदेशक से प्राप्त पत्र को दृष्टिगत रखते हुए विहित अधिनियम की धारा **3D** के अन्तर्गत प्रकाशित अधिसूचना का अवलोकन किया गया। अधिसूचना के अनुसार विपक्षी के खाते मे अंकित **ग्राम गुवारड़ी की आराजी नं0 324 में से 0.0126 हेक्टयर** भू–भाग अवाप्त किया गया हैं। **तहसीलदार हमीरगढ़** से अवाप्ताधीन भूमि का सत्यापन प्रतिवेदन एवं जमाबन्दी की प्रति प्राप्त की गई तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया। ग्राम गुवारड़ी की आराजी नं0 324, किस्म नहरी।।, रकबा 0.05 बीघा विपक्षी के स्वामित्व की होकर इस आराजी में से 0.0126 हैक्टयर अर्थात 126 वर्ग मीटर भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण/चौड़ाकरण में अवाप्ताधीन हैं। अवाप्ताधीन भूमि की **DLC** दर उप पंजीयक **हमीरगढ़** से प्राप्त की गयीं। अतः तहसीलदार हमीरगढ़ से प्राप्त मौका सत्यापन रिपार्ट एवं जमाबन्दी की प्रति को आधार स्तम्भ लिया जाकर **ग्राम गुवारड़ी की आराजी नम्बर 324 में से 0.0126 हेक्टयर अर्थात 126 वर्ग मीटर** भूमि का प्रतिकर निर्धारण विपक्षी के नाम किये जाने के आदेश दिये जाते हैं।	

मजिस्ट्रेट (प्रशासन)
प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति),
भीलवाड़ा

राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अवाप्ति अधिनियम, 1956 की धारा **3 G (1) (7)** में प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए नवीन भूमि अर्जन पुनःर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार अवाप्ताधीन भूमि का निम्नानुसार प्रतिकर निर्धारण किया जाता है तथा हितबद्ध व्यक्ति/खातेदार को भुगतान करने के आदेश दिये जाते हैं –

क्र0सं0	विवरण	विवरण/प्रतिकर राशि
1	आराजी नं0 (ग्राम गुवारड़ी)	324
2	अवाप्ताधीन रकबा	0.0126 हेक्टयर अर्थात 126 वर्ग मीटर
3	किस्म भूमि	नहरी II
4	हितबद्ध खातेदार	अजय इण्डिया लि0 गुवारड़ी, चितोड़ रोड़, भीलवाड़ा
5	दिनांक 31.01.2018 को **DLC** दर (प्रति बीघा)	38,89,260– रूपये
6	दिनांक 31.01.2018 को **DLC** दर (प्रति वर्गमीटर)	1537.69– रूपये
7	**PWD** के अनुसार ग्राम **गुवारड़ी** की शहरी सीमा से स्थित दूरी	4.850 किमी
8	कृषि भूमि की प्रतिकर राशि (क्षेत्र **X** दर)	1,93,748– रूपये
9	राज्य सरकार द्वारा निर्धारित फेक्टर दूरी **10–20** किमी पर देय कारक **1.25** गुणा की दर से राशि	2,42,185– रूपये
10	अधिकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा तैयार मूल्यांकन प्रतिवेदन अनुसार स्थायी संरचना का मूल्य	**Nil**
11	योग **(9+10)**	2,42,185– रूपये
12	सोलिशियम (तोषण) राशि (100 प्रतिशत) कॉलम नं0 11 अंकित राशि का	2,42,185– रूपये
13	दिनांक **24.02.2018** से **15.04.2019** तक कुल 415 दिवस का ब्याज (12 प्रतिशत से)	26,434– रूपये
14	कुल मुआवजा राशि कॉलम नं0 **(11+12+13)**	5,10,804– रूपये
15	कुल प्रतिकर राशि पर 10 प्रतिशत की दर से आयकर **(TDS)** कटौती	**Nil**
16	हितबद्ध खातेदार को भुगतान की जाने वाली राशि	5,10,804– रूपये
	अक्षरे – पांच लाख दस हजार आठ सौ चार रूपये मात्र	

अवाप्त भूमि का अवार्ड जारी किया जावे। प्रार्थी परियोजना निदेशक अवार्ड अनुसार प्रतिकर राशि तत्काल इस न्यायालय के बैंक अकाउन्ट में जमा कराना सुनिश्चित करेगें। विलम्ब के लिए प्रार्थी परियोजना निदेशक जिम्मेदार होगें। अवार्ड की प्रति प्रार्थी परियोजना निदेशक, तहसीलदार एवं हितबद्ध व्यक्ति/खातेदार को प्रेषित की जावे। तहसीलदार हितबद्ध व्यक्ति/खातेदार से सम्पर्क कर प्रतिकर भुगतान पत्रादि प्रस्तुत करावे। अवाप्तशुदा भूमि को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पक्ष मे राजस्व अधिकार अभिलेख मे अंकन किया जावे तथा भूमि का कब्जा परियोजना निदेशक को सुपुर्द किया जावे।

पत्रावली बाद दाखला रजिस्टर के नम्बर से कम होकर फैसल शुमार की जावे।

(राकेश कुमार)
अति0 जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन)
एवं सक्षम अधिकारी (भूमि अवाप्ति)
भीलवाड़ा

अति0 जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) एवं सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति), भीलवाड़ा